

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2018

MANAGEMENT OF DISEASES THROUGH YOGA AND NATUROPATHY

Date :- 21-04-2018
Saturday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

- सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. निसर्गोपचार एवं आयुर्वेद चिकित्सा का संमिश्रण सोदाहरण समझाएँ । 10
Explain the amalgamation of Naturopathy and Ayurveda therapy by giving suitable examples.
2. त्रिगुण परीक्षा सोदाहरण समझाएँ । 10
Explain Triguna Pariksha by giving suitable examples.

OR

आधुनिक नैदानिक प्रक्रियाओं का निसर्गोपचारीय निदान में उपादेयता समझाएँ ।
Explain the utility of modern diagnostic tool in Naturopathic diagnosis.

3. Answer short note on any **Four** of the following : 20
- A. योग एवं आयुर्वेद के चिकित्सा सिद्धान्त ।
Therapeutic principles of Yoga and Ayurveda.
- B. परीक्षण एवं व्याधि का सहसंबंध ।
Correlation between investigation and disease.
- C. चक्षु निदान ।
Iris diagnosis.
- D. स्वर परीक्षा ।
Breath diagnosis.
- E. योग चिकित्सा में परामर्श का महत्व ।
Importance of counselling in Yoga therapy.
4. Answer any **Five** of the following : 10
- A. योग चिकित्सा के प्रमुख सिद्धान्तों में से किन्हीं चार को लिपीबद्ध करें ।
Write any four principles of Yoga therapy.
- B. निसर्गोपचार एवं होमियोपथी में क्या समानताएँ हैं ?
What are the similarities between Homeopathy and Naturopathy.
- C. नाभि स्वस्थान स्थापन की पद्धतियों सूचिबद्ध करें ।
Enlist the methods of correcting the displaced Nabhi.
- D. वर्ण निदान से किन तथ्यों का ज्ञापन होता है ?
Which aspects can be known by Chromo diagnosis ?
- E. मेरुदण्ड परीक्षण की नैदानिक उपादेयता क्या है ?
What is the diagnostic utility of spinal analysis ?
- F. शलाकाकृति आलेख किसे कहते हैं ?
What is meant by Bar diagram ?

[P.T.O.]

SECTION-B

5. श्वास एवं काश्य की योग एवं निसर्गोपचारीय संपूर्ण चिकित्सा चिकित्सासूत्र के साथ 10
लिखें ।

Write the complete Yogic and Naturopathic management of Shwasa and Karshya
with line of treatment.

6. ज्वर एवं अस्थिसौषीर्य की योग एवं निसर्गोपचार की संपूर्ण चिकित्सा चिकित्सासूत्र 10
के साथ लिखें ।

Write the complete Yogic and Naturopathic management of Jwara and
Asthisaushirya with line of treatment.

OR

आमवात एवं पक्षाघात की योग एवं निसर्गोपचार की संपूर्ण चिकित्सा चिकित्सासूत्र
के साथ लिखें ।

Write the complete Yogic and Naturopathic management of Aamavata and
Pakshaghata with line of treatment.

7. Answer short note on any **Four** of the following :

20

- A. हिक्का की निसर्गोपचारीय चिकित्सा ।
Naturopathic management of Hikka.
B. शूल की निसर्गोपचारीय चिकित्सा ।
Naturopathic management of Shula.
C. कुष्ठ की योगिक चिकित्सा ।
Yogic management of Kushtha.
D. स्थौल्य की योगिक चिकित्सा ।
Yogic management of Sthaulya.
E. विषाद की योगिक चिकित्सा ।
Yogic management of Vishada.

8. Answer any **Five** of the following :

10

- A. एड्स में उपयुक्त किन्हीं चार निसर्गोपचारीय चिकित्साओं को सूचिबद्ध करें ।
Enlist any four Naturopathic therapies useful in AIDS.
B. गृध्रसी में उपयुक्त किन्हीं चार योग चिकित्साओं को सूचिबद्ध करें ।
Enlist any four Yoga therapies useful in Gridhrasi.
C. अनवस्थित चित्तत्व में उपयुक्त किन्हीं चार योग चिकित्साओं को सूचिबद्ध
करें ।
Enlist any four Yoga therapies useful in Anavasthita Chittatva.
D. पौरुषग्रन्थि वृद्धि में उपयुक्त किन्हीं चार योग चिकित्साओं को सूचिबद्ध करें ।
Enlist any four Yoga therapies useful in Paurusha Granthi Vriddhi.
E. संधिच्युति में उपयुक्त किन्हीं चार निसर्गोपचारीय चिकित्साओं को सूचिबद्ध
करें ।
Enlist any four Naturopathic therapies useful in Sandhichyuti.
F. शीतपित्त में उपयुक्त किन्हीं चार निसर्गोपचारीय चिकित्साओं को सूचिबद्ध
करें ।
Enlist any four Naturopathic therapies useful in Shitapitta.

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2018
NATURAL THERAPEUTICS

Date :- 20-04-2018
Friday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

- सूचना : १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. निसर्गोपचारीय प्रक्रियाओं के प्रयोग के समय रखने योग्य सामान्य सावधानियों का वर्णन करें। 10
Describe the general precautions for application of Naturopathic procedures.
2. विभिन्न प्रकार की मृत्तिकाओं के मानव शरीर एवं मन पर होनेवाले प्रभावों का वर्णन करें। 10
Describe the effects of various types of Muds on Human mind and body.

OR

मृत्तिका संग्रहण का महत्व एवं विधि वैज्ञानिक आधार पर समझाएँ।
Explain the importance and methodology of mud collection with scientific view.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
- A. कटि स्नान।
Hip bath.
- B. मोम स्नान।
Wax bath.
- C. सूर्य स्नान की विधियाँ एवं प्रासंगिकता।
Methods of Sun bathing and their relevance.
- D. आयुर्वेदिक मर्दन।
Ayurvedic massage.
- E. ओषजन स्तंभ चिकित्सा।
Oxygen Bars therapy.
4. Answer any **Five** of the following : 10
- A. सेंध नमक स्नान के किन्हीं चार फायदों को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four benefits of Epsom Salt Bath.
- B. रेत के सेंक के किन्हीं चार योग्य को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four indications of Sand Fomentation.
- C. लू लगने के किन्हीं चार प्रभावों को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four effects of Sun stroke.
- D. मर्दन की किन्हीं चार मूलभूत विधियों को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four Basic Techniques of Massage.
- E. चिकित्सकीय उपवास के किन्हीं चार प्रकारों को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four types of Therapeutic Fasting.
- F. आध्यात्मिक उपवास की व्याख्या लिखें।
Define Spiritual Fasting.

SECTION - B

5. नव्य-निसर्गोपचारीय प्रक्रियाओं के प्रयोग के समय रखने योग्य सामान्य सावधानियों का वर्णन करें। 10
Describe the general precaution to be taken during application of Neo-naturopathic procedures.

6. प्राकृतिक चुम्बकों की शारीरक्रियात्मक एवं चिकित्सकीय उपादेयता समझाएँ। 10
Explain the physiological and therapeutic utility of Natural Magnets.

OR

विद्युत चुम्बकों की शारीरक्रियात्मक एवं चिकित्सकीय उपादेयता समझाएँ।
Explain the physiological and therapeutic utility of Electric Magnets.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20

- A. रंगचिकित्सा के प्रयोग की पद्धतियाँ।
Methods of Chromo Therapy application.
- B. एक्युप्रेसर चिकित्सा के प्रकार।
Types of Acupressure therapies.
- C. स्वास्थ्य संवर्धन में कंपक चिकित्सा का उत्तरदायित्व।
Role of Vibrator Therapy in health promotion.
- D. चिकित्सकीय सम्मोहन की परिधि एवं मर्यादाएँ।
Scope and limitations of Medical Hypnosis.
- E. अंकुरित खाद्यान्न के स्वास्थ्य सम्बन्धित फायदे एवं हानियाँ।
Health benefits and Hazards of sprouts Diet.

8. Answer any **Five** of the following : 10

- A. नीले रंग के किन्हीं चार अयोग्य को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four contraindications of Blue Color.
- B. चिकित्सा में पार-बैंगनी किरणों की क्या उपादेयता है ?
What is the utility of Ultra Violet rays in therapy ?
- C. कायरो-प्रेक्टिक के मुख्य दो मूलभूत सिद्धान्तों को लिखें।
What are the two main basic principles of Chiro-practice ?
- D. वाहक तैल का क्या अर्थ होता है ?
What is meant by Carrier Oil ?
- E. प्रोभूजिन की कमी से होनेवाले रोगों को सूचिबद्ध करें।
Enlist the disorders caused by Malnutrition of protein.
- F. अपक आहार के किन्हीं चार गैरफायदों को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four disadvantages of uncooked food.

♦♦♦♦♦

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2018

NATUROPATHY : HISTORY, PHILOSOPHY & PRINCIPLES

Date :- 19-04-2018
Thursday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

- सूचना : १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. निसर्गोपचार के अनुसार पञ्चमहाभूत को समझाएँ। 10
Explain Panchmahabhuta in reference to Nisargopachar.
 2. योग के अनुसार स्वास्थ्य एवं व्याधि के सिद्धान्त को समझाएँ। 10
Explain the concept of health and disease according to Yoga.
- OR**
- भारत में निसर्गोपचार का उद्भव एवं विकास कैसे हुआ ?
How Naturopathy is originated and developed in India ?
3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
 - A. निसर्गोपचार में दिनचर्या का महत्व।
Importance of Dincharya in Nisargopachar.
 - B. निसर्गोपचार के अनुसार प्राकृतिक अनूर्जता क्या है ?
What is natural immunity ? Explain according to Nisargopachar.
 - C. एडोल्फ जस्ट के जीवन का निसर्गोपचार में योगदान।
Life of Adolf Just in contribution of Naturopathy.
 - D. कायाकल्प के प्राकृतिक सिद्धान्त को समझाएँ।
Explain nature's law of Rejuvenation.
 - E. स्वास्थ्य के निर्माणकारी एवं विनाशकारी प्राकृतिक सिद्धान्त कौन से हैं ?
What are nature's law of constructive and destructive principle of health ?
 4. Answer any **Five** of the following : 10
 - A. आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य क्या है ?
According to Ayurved, what is Health ?
 - B. आचार रसायण की निसर्गोपचार में भूमिका।
Role of Achar Rasayan in Nisargopachar.
 - C. अधारणीय वेगों को धारण करने से क्या विपरीत प्रभाव होता है ?
What the adverse effect of suppression of Natural Urges ?
 - D. निसर्गोपचार में हर्बर्ट शेल्टन की क्या सिद्धियाँ हैं ?
What are the achievements of Herbert Shelton in Naturopathy ?
 - E. भोजन बाद वाम-कुक्षी का आरोग्य के उपर महत्व।
Importance of 'Vama-Kukshi' after meals in health ?
 - F. निसर्गोपचार के क्षेत्र में भामगरा का योगदान।
Contributions of M.M. Bhamagra in field of Naturopathy.

SECTION - B

5. 'विषाक्तता सिद्धान्त' को विस्तार से समझाएँ। 10
Explain Toxeima theory in detail.

6. व्याधि की अभिव्यक्ति एवं व्याधि प्रतिरक्षा तथा उपाय समझाएँ। 10
Explain manifestation of disease, its prevention and cure.

OR

आरोग्य रक्षक पञ्चतंत्र को समझाएँ।
Explain Arogya - Rakshaka - Panchtantra.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20

- A. व्याधि एवं उपचार की एकात्मकता को समझाएँ।
Explain concept of unity of disease and unity of cure.
- B. निसर्गोपचार में शोथ की कौन-सी अवस्थाएँ हैं ?
What are the stages of inflammation in Naturopathy.
- C. इनकम्ब्रन्स (भार) के सिद्धान्त को समझाएँ।
Explain concept of Encumbrance.
- D. टीका लगाने से आरोग्य पर क्या असर होता है ?
What are the effects of vaccination on health ?
- E. निसर्गोपचार के विषय में गांधीजी की अवधारणाओं का वर्णन करें।
Describe Gandhian concept on Naturopathy.

8. Answer any **Five** of the following : 10

- A. औषध-प्रतिक्रिया क्या है ?
What is Drug reaction ?
- B. प्राकृतिक गर्भनिरोध पद्धतियों की उपयुक्तता क्या है ?
What is the utility of Natural contraceptive methods ?
- C. जीवन-शक्ति की व्याख्या लिखें।
Define vitality.
- D. स्वास्थ्यकालीन संकट क्या है ?
What is healing crisis ?
- E. निसर्गोपचार के अनुसार नियतकालीनता क्या है ?
What is law of periodicity according to Naturopathy ?
- F. रोगी व्यक्ति के उपर प्रार्थना का उद्देश्य क्या है ?
What is the objective of Prayer on diseased person ?

◆◆◆◆

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2018

YOGA : PRACTICE & THERAPY

Date :- 17-04-2018
Tuesday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना 9. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.

2. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।

The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. वैज्ञानिक आधार पर आसन एवं व्यायाम के बीच का अंतर उदाहरण सहित 10 समझाएँ ।

Explain the difference between Asana and other types of exercises with appropriate examples scientifically.

2. शंख प्रक्षालन की विधि एवं वैज्ञानिक आयाम वर्णित करें । 10

Describe Shankhaprakshalana scientifically with technique.

OR

योगिक सूक्ष्मव्यायाम के मूलभूत सिद्धान्त, चिकित्सकीय उपयोग एवं निषेध समझाएँ ।

Explain basic principles, therapeutic utility and contraindications of Yogic Shukshma Vyayama.

3. Write short notes on any Four of the following : 20

A. हृदय को बल प्रदान करनेवाले स्थूल व्यायाम ।
Heart strengthening Sthula Vyayama.

B. योगाभ्यास का क्रमिक विकास ।
Chronological development of Yoga practices.

C. सूर्यनमस्कार का स्वास्थ्य बनाये रखने में प्रभाव ।
Effect of Suryanamaskara for health maintenance.

D. कूर्मासन का चिकित्सकीय उपयोग एवं निषेध ।
Therapeutic utility and contraindications of Kurmasana.

E. बस्तिक्रिया का शरीरक्रियात्मक प्रभाव ।
Physiological effect of Bastikriya.

4. Answer any Five of the following : 10

A. वीरासन की पद्धति एवं असर ।
Technique and effect of Virasana.

B. कपालभाति के प्रकार पद्धतिसहित लीखे ।
Enlist the types of Kapalabhati with technique.

C. जंघाशक्ति विकासक क्रिया की विधि लीखे ।
Write the technique of Janghashakti-Vikasaka Kriya.

D. कर्णशक्ति विकासक क्रिया की विधि लीखे ।
Write the technique of Karnashakti Vikasaka Kriya.

E. योगाभ्यास के आहार संबंधित नियमों को सूचिबद्ध करें ।
Enlist the dietary rules of Yoga practices.

F. मंडूकासन की पद्धति एवं व्याख्या लिखे ।
Explain Mandukasana with technique.

[P.T.O.]

SECTION-B

5. बंध को व्याख्यायित करते हुए उनका चिकित्सकीय प्रभाव लिखें ।
Define Bandhas with their therapeutic utility and contraindications. 10

6. चिकित्सा में स्वरोदय शास्त्र का महत्व स्थापित करें ।
Explain the importance of Svarodaya in therapy. 10

OR

प्राचीन ग्रंथों के आधार पर कुण्डलिनि जागृतिकर प्राणायाम वर्णित करें ।
Describe Kundalini Jagrutikar Pranayama as per classical texts.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20

- A. पाशिनी मुद्रा ।
Pashani Mudra.
- B. योग निद्रा ।
Yoga Nidra.
- C. बुद्धि के विकास के लिए योग ।
Yoga for development of intelligence.
- D. प्रत्याहार की पद्धति एवं चिकित्सकीय महत्व ।
Technique and therapeutic importance of Pratyahara.
- E. सायक्लिक मेडिटेशन ।
Cyclic meditation.

8. Answer any **Five** of the following : 10

- A. प्रेक्षाध्यान को व्याख्यायित करें ।
Define Preksha meditation.
- B. प्राणायाम और श्वसन व्यायाम के बीच के चार अंतर लीखें ।
Write any four differences between Pranayama and breathing exercises.
- C. बायोफिडबैक पद्धतियाँ सूचिबद्ध करें ।
Enlist biofeedback techniques.
- D. नादब्रह्म ध्यानकी पद्धति लीखे ।
Write the technique of Nadabrahma meditation.
- E. मातंगी मुद्रा की पद्धति एवं असर लीखें ।
Write technique and effect of Matangi Mudra.
- F. पिंडस्थ ध्यान को व्याख्यायित करें ।
Define Pindastha Dhyana.

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)
EXAMINATION APRIL-2018
YOGA : HISTORY & PHILOSOPHY

Date :- 16-04-2018
Monday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

- सूचना : १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण इसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. योग की व्याख्या देकर वर्तमान समय में योग विषय में प्रचलीत गलतफहमियों का वर्णन करें। 10
Define Yoga and describe Misconception about Yoga in present era.
2. पातंजल योगसूत्र के समाधिपाद के विषय में निबंध लिखें। 10
Write an essay on Samadhipad of Patanjala Yoga Sutra.

OR

- ‘भगवद् गीता में योग’ विषय में निबंध लिखें।
Write an essay about Yoga in Bhagvat Geeta.
3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
- A. योगसूत्र।
Yoga Sutra.
- B. विभूतिपाद।
Vibhutipad.
- C. दर्शनशास्त्र में योगिक तत्वज्ञान।
Philosophy of Yoga in Darshan Shastra.
- D. लय योग।
Laya Yoga.
- E. पुनः जन्म सिद्धान्त।
Doctrine of Re-birth.
4. Answer any **Five** of the following : 10
- A. योग की व्याख्या लिखें।
Define Yoga.
- B. योगवशिष्ठ के लेखक का नाम और समय लिखें।
Write the name and time of the author of Yoga Vashishtha.
- C. भक्ति की व्याख्या लिखें।
Define Bhakti.
- D. ज्ञानयोग क्या है ?
What is Jnan Yoga ?
- E. गुणातीत के लक्षण लिखें।
Enlist the characteristics of Gunatita.
- F. गुणत्रयी योग क्या है ?
What is Gunatrayi Yoga ?

SECTION - B

5. प्राण के विषय में समझायें। 10
Explain Prana.
6. अष्टसमाधि क्या है ? समझायें। 10
What are Ashta Samadhi ? Explain.

OR

हठ-प्रदीपिका के विषय में निबंध लिखें।
Write an essay on Hatha Pradipika.

7. Write short notes on any **Four** of the following :

20

- A. धौती ॥
Dhauti.
- B. बस्ती।
Basti.
- C. क्या योग, शिक्षण में उपयोगी है ? कैसे ?
Is Yoga useful in education ? How ?
- D. भ्रामरी प्राणायाम।
Bhramri Pranayam.
- E. प्राणविद्या।
Pranvidya.

8. Answer any **Five** of the following :

10

- A. महाप्राण की संख्या लिखें।
Enlist Maha Prana.
- B. इडा क्या है ?
What is Ida ?
- C. घेरण्ड संहिता के अनुसार प्राणायाम की व्याख्या लिखें।
Define Pranayam according to Gherand Samhita.
- D. प्रणव अभ्यास क्या है ?
What is Pranav Abhayasa ?
- E. प्रत्याहार की व्याख्या लिखें।
Define Pratyahara.
- F. शीवसंहिता के अनुसार योग के प्रकार लिखें।
Enlist Yoga according to Shiva Samhita.

◆◆◆◆